विश्वास से, मूसा

धन्यवाद, भाई नेविल। सुप्रभात, साथियों। आज यहां आराधनालय में होना अच्छा है। और मैंने सोचा, हो सकता है यदि आज प्रात: बोलने के लिए मैं भाई नेविल को ले सकू, मैं आज रात्रि कोशिश करूंगा, और फिर मैं इस प्रात: संडे स्कूल पाठ को देख रहा था। और क्या ही... प्रभु ने चाहा, हम संडे स्कूल का पाठ लेने का यत्न करेंगे।

2 अब यह लगभग दो सप्ताह हो गए हैं, जब से मैं यहां पर आया हूं। और जैसा आप समझ गए हैं बहुत ही अधीर था, कि वहां कार्यस्थल में मैं बहुत ही थक गया हूं और बड़ी कठिनाई से आगे बढ़ सका। और फिर मुझे थोड़ा विश्राम लेने के लिए आना पड़ा। और मैंने वुल्फ क्रिक डेम पर कैन्टकी में तीन दिन लिए, जहां में जन्मा था। मैंने सोचा, "ओह, अब मुझे बहुत अच्छा लगता है। मैं अच्छा हूं।"

3 मैं घर वापस पहुंचा, पहली छोटी बात जिससे मेरा सामना हुआ, एक प्रकार का सरकारी मामला कर का था। और फिर से नीचे पहुंच गया। इसलिए मुझे लगा, यह तो एक सप्ताह से अधिक लेगा या दों कि मैं विश्राम करूं।

4 और मेरी सेवकाई में एक बदलाव आना तय है, और मेरा सभाओं का कोई कार्यक्रम नही है। और यही कारण है कि मैं एक प्रकार से एक ओर आ गया हूं। और सोचा, और अब अगले कुछ सप्ताहों में, मैं बस विश्राम लूंगा पूरा विश्राम, और प्रभु की प्रतीक्षा करूंगा।

5 और यहां आप में से बहुत से लोग, जो पुराने हैं, जो हमारे साथ लंबे समय से है, याद करे कि प्रभु ने हम से क्या कहा था, वह सदा वही करता है, जो उसने करने के लिए कहा।

6 याद करें आरंभ में, यहां कलीसिया में, उस प्रात: जब हमने आराधनालय की नीव रखी, कैसे कि वह... यह लिखा और कोने के पत्थर में रखा गया मेरी बाईबल के पर्चे पर। उस प्रात: जब महान दर्शन ने कहा, "यह तुम्हारा आराधनालय नही है।"

7 मैंने कहा, "तो प्रभु कहां है? " और उसने मुझे बाहर आकाश के नीचे बिठाया। और आवाज आई, और मैंने देखा, और वे तीन सलीबे जैसे पेड़

और उन पर फल, आदि–आदि। आप जानते हैं कि दर्शन क्या है। यह वर्षों से लिखा रहा।

8 उस दिन पुरानी नोट कापी उठाई, उसमें से कुछ चीजें पढ़ी जो कि प्रभु ने बताई पहले से बताई; घटित हो चुकी है, इस किशोरों के विषय में, और किस प्रकार से युद्ध आयेगा, और वे सारी बातें जो हुई।

9 बस दो बातें रही है, उन बड़ी भविष्यवक्ताओं में से। वह कारे सड़क पर आए उस दूर के नियंत्रण से, अंडे जैसी दिखती है, आप उसे नही चलाते। यह स्वयं से ही नियंत्रित है। और फिर, और एक महान स्त्री का उदय, क्योंकि अमेरिका स्त्री का राष्ट्र है। और ये... महान स्त्री उठेगी और राष्ट्रपति या ऐसे ही कुछ इस राष्ट्र में। और फिर पूरा विनाश आयेगा। सारा राष्ट्र मिट जायेगा।

10 और, मेरा अनुमान... अब यह प्रभु नही कह रहा है (वह दूसरा, स्त्री के विषय में, यह प्रभु है) परंतु मैंने 1933 में भविष्यवाणी की संसार 77 से पहले पूरी रीति से विनाश में जायेगा।

11 इसलिए, मुझे नही मालूम उनके पास कुछ था जो इस प्रकार से विनाश कर सकता था, अब उनके पास है, परंतु मैंने देखा राष्ट्र पूरी रीति से नष्ट हो गए, बस पेड़ों के ढूठ और उस प्रकार चीज बची।

12 इसलिए, यह मार्ग में है। और यदि ये सारी चीजें घटित हुई है जैसा कि मैंने कहा, यह भी होगा; और ठीक वैसे ही जैसा उसने वचन में यहां कहा जो वह कहता है। यदि मसीह पहली बार आया, वह दूसरी बार आयेगा और सारी बातें जो उसने कही घटित होगी। उचित रीति से यह देख रहे हैं, और जान रहे हैं कि हम लोग... हमारा भी नंबर पुकारा जाने वाला है, एक राष्ट्र के समान, यह जानते हुए कि कलीसिया उठा लिए जाने पर है। यह एक सेवक के ह्रदय को हिला देता है या किसी भी जनसाधारण का. यह जानकर कि हम इस दिन में है और समय जिसमें हम जी रहे हैं, यह महानतम समय है जिसे किसी भी व्यक्ति ने पृथ्वी पर जीया होगा, वह अब है, यही कलीसिया के लिए है। इसलिए निश्चित तौर मैं आपकी प्रार्थनाओं कि इच्छा करता हूं।

13 अब तब मैंने आराधनालय में देखा मैंने देखा कि वे... फिर से चुनाव करने जा रहे हैं और सारी बातें, कलीसिया में किसी मंडल का और आदि।

14 और—और कलीसिया को किसी सभा की आवश्यकता है, एक छोटा सदमा पहुंचाने वाला आप सदा मुझ पर दयालु रहे हैं। और मुझे आशीष दी मेरे द्वारा यहां होने से आप लोग आशीषित हुए। और मैं निश्चित हूं कि आपके साथ हूं, यह मेरे लिए आशीष है, और आपने सदा जो मैंने कहा उसे स्वीकार किया है कि सत्य है, जैसा कि मैंने परमेश्वर में से होते हुए देखा है। और मैं—मैं इसकी सराहना करता हूं।

15 इसलिए मैंने तब उसमें आरंभ किया और तब मैंने यह पाया था, और इसके मंडल में मैंने सही किया था और तब चुनाव इत्यादि के लिए। और तब—तब, मैंने सोचा इसके बाद, मैं बाहर गया और थोड़ा विश्राम किया इसके पहले कि मैं कार्य क्षेत्र में फिर से वापस जाऊं।

16 इसे अपने ही बीच में रखें, अब यहां बाहर वालों के लिए नही है, यह इस आराधनालय के लिए है, हम इस आराधनालय के साथ सभा करना चाहते हैं, ताकि हर चीज और हर गलती, सारी चीजें जो चल रही है और हो सकता छोटी भावनायें एक दूसरे के साथ; वे, मैं उसमें से हर एक को लेना चाहता हूं, और ठीक आमने सामने लाना चाहता हूं। यदि आप उसका सामना नही करना चाहते, तो अच्छा है कि जगह को छोड़ जाये; क्योंकि आप इसकी हर चीज से सामना करने जा रहे हैं, जैसे कि हम इस आराधनालय में किया करते थे। और सब को सुचारू करने के लिए क्योंकि हम लोग भाई और बहन हैं, जो कि भोज में मसीह कि देह को आशीष की मेज पर लेते हैं। और यह कुछ नही, सिवाये शैतान के कुछ भी करेगा जो गलत हो, और भावनाओं का कारण, या तोड़ने या कुछ भी इस प्रकार का और मैं, हमारे भाई नेविल को ले रहा हूं, और हम एक से दूसरे स्थान को जा रहे हैं और लोगों से लोगों को मिला रहे हैं, जब तक पुराना आराधनालय वापस आता है, फिर से अपने पैरों पर स्थापित होता है, परमेश्वर के राज्य के लिये साथ–साथ चले, अब यही कारण है कि मैंने यह कहा, क्योंकि यह हमारा छोटा झुण्ड यहां इस प्रात: है।

17 और अब मैं बाकी कुछ को लेना चाहता हूं और जितनी जल्दी जितना मैं ले सकता हूं। तब मैं कार्य क्षेत्र में फिर से जाने कि आशा करता हूं। और इस बार, प्रभु ने चाहा, मैं उस थोड़े से जमा पैसों को लेना चाहता हूं और आदि–आदि, अपने, बाहर में... इस विदेशी उद्देश्य की योजना। और मैं

एक नया तम्बू लूं और कुछ नए उपकरण, और कार्य क्षेत्र में आरंभ करूं, कलीसिया से कलीसिया नही, परंतु अपने ही चलने वाली सभाओं में।

18 परंतु, भाइयों को तुच्छ नही जिन्होंने मुझे बुलाया, जो कि बहुत ही अच्छे हैं। परंतु इस में अधिकांश, आप इस बेदारीयों में पाते हैं वे कहते हैं, आप वहां जा रहे हैं, तब आपके सारे मित्र वहां आयेंगे और तब ये सारे पैसों के लिए ढिंढोरा पीटेंगे। बस उन लोगों को निचोड़ लेते हैं मैंने हाल ही में यह पाया है, आप देखिए। इसलिए ये—ये ठीक नही है। हम एक स्थान लेना चाहते हैं, जहां हम उन्हें ला सके। आपको अपना पैसा नही लाना है। बस आ जाये अपने आप और—और प्रभु कि सेवा करें। समझे? और इसलिए अब...

19 और मेरी सेवकाई में अभी हाल ही में बदलाव आया है। आप याद रखें जब मैं लोगों के हाथ पकड़ा करता था, और बस वहां खड़ा रहता था और प्रभु मुझे बताता कि उनकी क्या परेशानी है। कहा, "तब घटित होगा, आप जानते हैं लोगों के ह्रदय के गुप्त विचार।" आप में से हर एक जानता है यह हुआ है बिल्कुल ठीक जैसा कहा गया। अब यह अगला कदम है, जिसकी भविष्यवाणी की गई और पहले ही बताया गया, जो कि किसी से भी परे है, आप देखिए। और अब ये बदलाव में है।

20 और यही कारण है कि शैतान मुझसे कर के मामले में लड़ता है, मुझे बताने का यत्न कर रहा है कि सरकार मेरे हर पैसे पर मुझे कर देना है, जो मैंने एक सेवक के सामान लिया है, सत्ताईस साल पहले से, जब सेवकाई में आया। यह ऐसा नही है, क्योंकि यह कलीसियाओ से होकर निकला।

21 मैं इस कलीसिया का ट्रस्टी हूं, यह बिल्कुल ठीक बात है, यह अभिलेख में है। इसलिए, तब यदि मैं ट्रस्टी और खजांची कलीसिया का हूं, तो फिर संसार में कोई नही... सरकार को इससे कोई लेना देना नही। वे कलीसिया से प्रश्न नही कर रहे हैं। वे मुझ से प्रश्न कर रहे है, कलीसिया का खजांची होने के नाते। और ट्रस्टी ने कागज पर हस्ताक्षर कर रखे हैं, जो वहां बैंक में है, यही मेरी पूंजी है... बजाये इसके मेरा अपना आधार मैंने इसका उत्ताधिकार अपनी कलीसिया से लिया है, क्योंकि यह स्वत: ही स्वयं में आधार है, जो भी है।

22 और यह करने के लिए, यह मेरी कलीसिया से से मुझे आने जाने में सहायता करता है और यहां कुछ नही हूं। लोगों से प्रतिज्ञा करने के बाद

कि मैं वापस कलीसिया में आऊंगा समय के बाद उनकी सहायता के लिए। यही कारण है कि मैंने इसे इस प्रकार से रखा है, क्योंकि मैंने आप लोगों से प्रतिज्ञा की है। इसी कारण मैं इस कलीसिया के साथ इस प्रकार से बना रहता हूं बजाये एक व्यक्तिगत के। तब यदि आप ये करते हैं, यह इसे संगठन में ले जाता है। और मैं कठोरता से संस्था के विरोध में हूं। इसलिए मैं—मैं इसे ऐसे ही रखता हूं, जैसे ये है, परमेश्वर के हाथों में, ताकि हम परमेश्वर के राज्य के लिए आगे बढ़ सके।

23 अब इस सुबह, हम इस पुराने आशीषित वचन को पढ़ना चाहते हैं, और विश्वास करना चाहते हैं।

24 अब, मैं यह भी कहना चाहता हूं... मैंने भाई इगन और बहुतों को देखता हूं और ट्रस्टी लोग यहां पर बैठे हैं, उस रात्रि ट्रस्टी की सभा होने के बाद; यह सच है, मैं सबके सामने कलीसिया, कि आप में से प्रत्येक सब जो अब है... एक नियत किए हुए ट्रस्टी नही है, आप चुने हुए ट्रस्टी है और आपके नाम पुस्तक में है। ठीक है।

25 और अब वे कुछ और डीकनो का चुनाव करने जा रहे हैं और आदि–आदि। और भाई नेविल इन सब को सभा के तुरंत बाद बुलाने जा रहे हैं, ठीक है, और खजांची आदि के लिए, जैसे हमने कलीसिया को व्यवस्थित किया है, सारी भूमिका ले ली है, तैयार है, तब हम बेदारी ले सकते हैं, जैसे कि यह बढ़ता है।

26 अब, जरा इसके पहले कागजों को अपने संडे स्कूल के पाठ के लिए पलटे, इस जीवित परमेश्वर के जीवंत वचन के लिए, आइए अपने सिरो को झुकाए, कुछ क्षणों के लिये, जैसा कि हम इस पुस्तक के लेखक से बात करते हैं। अब हर विचार को एक ओर रख देते हैं, हर चीज जो विरुद्ध है, जो आपको आशीषों से रोकती है।

आइए प्रार्थना करें।

27 अति पवित्र और धर्मी परमेश्वर आपकी धन्य प्रतापी उपस्थिति में हम आए हैं, अपने जीवन तुझे चढ़ाते हैं, और अपने–अपने प्राण और अपनी देहे और अपनी और सेवाये और अपनी प्रतिभायें। और वह सब जो हम में है, हम तुझे देते हैं। और जैसा कि आप हमें देखते हैं प्रभु, यदि कोई पाप नंगा और बिना स्वीकार किया हुआ हो हम आप से मांगते हैं, प्रभु परमेश्वर, कि आप अपने पुत्र का लहू लगायेंगे, यीशु का ऐसे स्थान पर,

इस बात को अनुभव करते हुए कि हम अपने में अपर्याप्त है, और हमारे लिए असंभव है, कभी अपने आप को जीवित रख पाये। परंतु हम पूरी रीति से आपके मूल्यवान लहू पर निर्भर करते हैं और उसका अनुग्रह हमारे भाग में हो कि हम अयोग्य पापी आपके पास किसी दिन बड़े हियाव के साथ आपकी उपस्थिति में आ सके, हमारे सामने इस लहू को ला रहे हैं प्रभु यीशु का। जो कि, तूने बीते समयों में इस लहू को अपने इकलौते पुत्र में होते हुए पहचाना, और इस बात की प्रतिज्ञा की, कि, "उसके द्वारा यदि हम अपने पापों को स्वीकार कर ले, हम उसके अनुग्रह से धर्मी ठहरेंगे।"

28 और अब हम आप से मांगते हैं, प्रभु कि आप हमारी कोई भी गलती क्षमा करेंगे, कोई भी गलती या भूल, अपराध या कोई बुरा विचार जिसने हमारे प्राणों को छेदा, शैतान के जलते तीरों के द्वारा कि आप अपने इस दुष्ट शत्रु को भगा देंगे, और तेरे लोगों।

29 और हम आप से मांगते हैं कि आप अपना पवित्र आत्मा कि वचन को इस समय अधीनता में ले, जैसा कि हम अपने को एक उपकरण के समान समर्पित करते हैं कि आप हमारे द्वारा बोलेंगे, और हमारे द्वारा सुने, तेरा वचन। और होने पाये बदले में हम इसे आपसे ले सकें और आज इस स्थान को भावना से कि हम मसीह के कारण सही किए गए, यहां से जाये; ताकि हम और सही हो सके आज और कल आने वाली रात्रि की सेवा के लिए, क्योंकि पवित्र आत्मा के यहां आने के कारण।

30 हर कहीं हमारे भाइयों को आशीषित करें, समस्त संसार में कलीसियाओ को, जो भी दुष्ट दिन में मेरे जीवन के वचन को थामे हुए हैं, हम अनुभव करते हैं काम करने के लिए अधिक समय नही है, क्योंकि रात तेजी के साथ आ रही है। फिर से युद्ध के बादल छाए हुए हैं। बुराई निकट है, और हम प्रार्थना करते हैं, कि आप हमें कार्य करने देंगे, जैसा पहले कभी नही हुआ। हमारी थकी देहो को विश्राम दे, प्रभु और हमें वापस युद्ध पर भेजें। क्योंकि हम यह, प्रभु यीशु के नाम में मांगते हैं और उसके भलाई से प्रार्थना करते हैं। आमीन।

31 जैसा कि इस सुबह हम अपने बाईबल को खोलते हैं, इब्रानियों का ग्यारहवां अध्याय।

32 बुधवार रात्रि को हम इब्रानियों के सातवें अध्याय पर बोल रहे थे, "मलकीसदेक पर, बिना पिता और बिना माता के, बिना दिनों के आरंभ के, या जीवन के अंत।"

33 और मैंने सोचा, संभव है इस प्रात: यह ठीक रहेगा इस अद्भुत पुस्तक को फिर से खोलें, इस बात के चलते कि हमारे पास भूमिका है कि हम क्या कहना चाहते हैं, पहले वाले पढ़ने में। और दसवें अध्याय को छोड़ते हुए और नवे अध्याय को, जो कि बलिदान की व्यवस्थाये है, हम "विश्वास" के स्थान पर आयेंगे। और यहां इब्रानियों की पुस्तक 11 वा अध्याय और 23 वे पद से आरंभ करके, हम इस प्रकार से पढ़ते हैं:

> *विश्वास ही से मूसा, के माता पिता ने उसको, उत्पन्न होने के बाद तीन महीने तक छिपा रखा, क्योंकि उन्होंने देखा कि बालक सुंदर है; और वे राजा की आज्ञा से नही डरे।*
>
> *विश्वास ही से मूसा ने सयाना होकर, फिरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इन्कार किया;*
>
> *इसलिए कि उसे पाप में थोड़े दिन सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुख भोगना अधिक उत्तम लगा;*
>
> *उसने मसीह के कारण निंदित होने को मिस्र के भंडार से बड़ा धन समझा:... क्योंकि उसकी आंखें फल पाने की ओर लगी थी।*
>
> *विश्वास ही से राजा के क्रोध से न डर कर: उस ने मिस्र को छोड़ दिया, क्योंकि वह अनदेखे को मानों देखता हुआ दृढ़ रहा।*

34 आज सुबह मैं इस विषय को लेना चाहता हूं, "विश्वास के द्वारा चुनाव करना।" और मैं इसे मूल पाठ के सामान लेना चाहता हूं 23 वें अध्याय के पहले तीन वचन *विश्वास से, मूसा।* और, "विश्वास से चुनना" अधिकतर जो हम करते हैं, हमें विश्वास से चुनना होता है। और वह सब हम पाते हैं कि मूसा ने किया यह दोहराने के योग्य है, विश्वास से; ना कि देखने से, परंतु विश्वास से।

35 और कारण कि मैंने कलीसिया की स्थिति के लिए यह चुना है, इस प्रात: यह हमारे में है... यहां तक कि हमारे विद्यालयों और आस–पास हमारे पास बहुत ही वैज्ञानिक शिक्षा, इसी कारण, हमने लोगों को विश्वास से दूर कर दिया। अब, विश्वास को विज्ञान से सिद्ध नही किया, विश्वास वह है

जो विज्ञान नही देखता। और हम... यदि हम कभी इस महान विश्वास को खोते हैं, तो हम फिर पूरी रीति से अंधकार में है... कोई मतलब नही, हम कितनी अच्छी शिक्षा पाये हुए हैं, हम कैसे परमेश्वर के वचन की व्याख्या कर सके, कि अपने विश्वास के स्वरूप हो।

36 परमेश्वर को प्रसन्न करने की कभी कोई और विधि नही, सिवाये विश्वास के द्वारा। "और बिना विश्वास के," वचन कहता है, "परमेश्वर को प्रसन्न करना अनहोना है।"

37 इसलिए, यदि विश्वास विज्ञान से सहमत नही है, और विज्ञान विश्वास के साथ सहमत नही है जो उन्हें आमने–सामने टक्कर पर लाता है, तो फिर हमारा चुनाव मूसा जैसा होना चाहिये। विश्वास के द्वारा हम भरोसा रखते है!

38 अब, यदि हम विश्वास को खोते है, तो फिर हम अपनी प्रार्थना का उत्तर परमेश्वर के द्वारा कभी नही पायेंगे। "क्योंकि जो परमेश्वर के पास आता है, उसे विश्वास करना ही है कि वह है, और उसके लिए प्रतिफल जो परिश्रम से उसकी खोज करते हैं।" इसलिए, यदि हम विश्वास को खोते हैं, हमारी प्रार्थनाये निष्फल हो गई; हम कहीं नही है।

39 इसलिए कुल मिलाकर आज प्रात: हम यह सोच सकते हैं, कि विश्वास के पकड़े रहे। तब, यदि हम विश्वास को खोते हैं, हमारी सारी आशा समाप्त हो गई। और यदि हम विश्वास को खोते हैं, हमारी सारी आत्मिक वास्तविकता समाप्त हो गई। क्योंकि, आप उन बातों में विश्वास नही कर सकते हैं। क्योंकि, जो चीजें आप देखते हैं, सब नष्ट होने वाली है।

40 यदि हम किसी महान व्यक्ति को देखते हैं, एक बड़ा सेवक या एक बड़ी भक्त मंडली, किसी दिन वे सब नष्ट हो जायेंगे, और यदि हम एक महान देश को देखते हैं, या एक बड़े हथियार को किसी दिन वे सब नष्ट हो जायेंगे। और तब हमें विश्वास के द्वारा जीवित रहना चाहिये उन चीजों का जिनकी घोषणा विज्ञान नही करता। यह विश्वास के द्वारा हम भरोसा करते हैं

41 अब, हम अपने गौरव को खोते हैं यदि हम अपना विश्वास खोते हैं। अब, यदि हम विश्वास से अलग होते हैं, तो फिर हम कलीसिया को बौद्धिक क्षेत्र में ले जाते हैं।

42 और बहुत सी बार लोगों के बीच में यह सोचा गया, क्योंकि भक्त मंडली बड़ी थी, और उनके पास बडे अराधनालय थी, ऊँची मीनारें, और एक बड़ा बहुत से अच्छे वस्त्र धारण करने वाले, और अच्छे दिखाने वाले लोग

हैं, और बहुत पैसा, कि वे ऐसी चीजें वाहन कर सकते हैं, हमने बहुत सी बार सोचा यह प्रेरणादायक था कि विशेष कलीसिया को प्रेरित होना चाहिये, या हम अक्सर विभिन्न सेवकों का उल्लेख करते हैं, जो कि कार्य क्षेत्र में जाते हैं और बहुत ही भीड़ जमा होती है, और कभी हम सोचते है कि वे लोग, प्रेरणा का चिन्ह है। परंतु यह सब मिला कर सत्य नही है, यह मनुष्य की प्रेरणा है।

43 परन्तु वास्तविक प्रेरणा परमेश्वर की इच्छा को पूरी करने से आती है। समझे? चाहे ये एक हो, या थोड़े से, चाहे यह बड़ी कलीसिया है, या छोटी कलीसिया इससे अंतर नही पड़ता। चाहे यह एक महान सुव्यक्ता हो, या बस एक साधारण मनुष्य जो कठिनता से क ख ग जानता हो, इससे कोई मतलब नही। यह संदेश पर निर्भर करता है जो वह ला रहा है, चाहे वह परमेश्वर के वचन के प्रेरित है, या, बुद्धि से प्रेरित धारणा है, मनुष्य की प्रेरणा?

44 कुछ लोग प्रेरित होते हैं क्योंकि बोलने वाला अच्छा व्यक्ता है। यह बात को सही नही बनाता। कभी–कभी वे प्रेरित होते है, क्योंकि व्यक्ति इतना प्रशिक्षित होता है की वह अपनी बात ऊपर रखता है। इसका यह अर्थ नही है कि यह परमेश्वर का है। समझे?

45 यह केवल परमेश्वर के सदा अनन्त आशीषित वचन के द्वारा हम प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं, और यह पवित्र आत्मा के द्वारा दिया गया। विश्वास के द्वारा हम इसे प्राप्त करते हैं।

46 अब हम मूसा के विषय में सोचेंगे, और उसके जीवन का यह महान समय और उसके जन्म को हम फिर से पढ़ते हैं, कि कैसे परमेश्वर ने उसकी रक्षा करी, परंतु मूसा के जीवन में एक समय आया, जहां एक चुनने का समय था। यदि हम सीधा–सीधा पढ़ते हैं, हम पाते हैं कि वह फिरौन की बेटी का बेटा था, और सिंहासन का उत्तराधिकारी, और मिस्त्र का अगला फिरौन था। इसलिए वह ध्यान देगा, जैसे–जैसे वह चारों ओर देखेगा और जब वह समझदारी की आयु में पहुंच गया, और वहां वे गुलाम होंगे, जो उन कीचड़ के गड्ढो में कार्य कर रहे थे। और मूसा, जब वह महल की खिड़की में से उन्ही गुलामों को देखता, जिन्हें फिरौन ने देखा, परंतु देखने में कितना अंतर था।

47 इस प्रात: मैं इस विचार को आधार बनाना चाहता हूं, कुछ मिनटों के लिए, और होने पाये स्वर्ग का परमेश्वर इसे हर ह्रदय में घर कर दे। ये आप कैसे किसी चीज को देखते हैं, यही जिससे अंतर पड़ता है।

48 एक महान सुसमाचार प्रचारक, जॉन स्पौल, जो कि भाई बोसवर्थ की सेवकाई में मत परिवर्तक हुआ, वर्षो पहले आप में से बहुतों को स्मरण होगा, उस ओल्ड ग्लोरी बरन का। उसने कहा, एक दिन वह अपने प्रिय साथी और पत्नी के साथ यात्रा कर रहा था। उसके मरने से पहले, वे लोग ला साले, लोरेने फ्रांस में थे। उसी स्थान पर मुझे भी जाने का सौभाग्य मिला। और घुमाने वाला उन्हें एक बाग में से लेकर जा रहा था, अलग चीजें दिखा रहा था, और वे प्रभु यीशु की क्रूस पर की एक मूरत के पास आ गए। और श्री स्प्रोल दूर खड़े इसे देख रहे थे, वह और उसकी पत्नी और वे अपने ह्रदयो मूर्तिकार को जो उसके विचार में या उसकी आलोचना कर रहे थे, जबकि वह पत्थर को इस भयानक रीति से तराश रहा था कि उसके दुख को दर्शाये, और प्रभु यीशु का प्रेम और दुख और कैसे रूखेपन से तमाशा देख रहे थे। और गाइड श्री स्प्रोल के पास आया, और बोला, "श्रीमान, मैं समझता हूं, आप प्रभु यीशु की मूरत की आलोचना कर रहे हैं।"

और उसने कहा, "हाँ।"

49 और उसने कहा, "मुझे तनिक भी आश्चर्य नही, क्योंकि अधिकांश लोग जो इसे पहली बार देखते हैं, आलोचना करते हैं।"

50 और श्री स्पोलन कहा, "क्यों, मैं तो इसमें कोई दुख या प्रेरणा इस ऐसी चीज में सकता नही देख सकता, इसलिए मुझे आश्चर्य हो रहा है क्यों मूर्तिकार ने इसे कभी इस प्रकार से बनाया।"

51 "और मूर्तिकार... " बोला, "श्री स्प्रोल यह मूर्ति सही है, और मूर्तिकार के विचार में यही बात थी। परंतु परेशानी कहां है, आपके साथ। यह तरीका जिस से आप इसे देख रहे हैं।" और उसने उसे और उसकी पत्नी को हाथ पकड कर लिया, और उन्हें वेदी के पास उस क्रूस के पैरो के पास ले गया। और उसने कहा, "अब श्री स्प्रोल ऊपर को देखें, अब।" और जब उसने ऊपर देखा, उसने कहा कि उसे लगा उसका ह्रदय ऐसे जैसे रुकने को हो गया, वहां खड़े हो कर कितना अंतर आ गया, और उसे *इस*

प्रकार से देखना, और आ कर उसे इस प्रकार से देखा जैसे देखने के लिए बनी थी।

52 और इसी प्रकार से परमेश्वर है। इसी प्रकार से विश्वास है यह जिस प्रकार से आप देखते हैं। यदि आप इसे किसी प्रकार की ऐतिहासिक बाईबल के समान देखते हैं, किसी चीज का जो बीते हुए दिनों का था, आप बाईबल के वास्तविक महत्व को लेने के योग्य कभी ना होंगे, बाईबल के वास्तविक महत्व को। आपको अपने घुटनों पर आना होगा, और बाईबल की आज्ञाओं को मानना होगा, और इसे पवित्र आत्मा की आंखों में से हो कर देखना होगा।

53 इस प्रात: मैं इस भक्त मंडली से पूछना चाहता हूं। उस इतिहास के परमेश्वर से हमारा आज क्या भला होने वाला है, यदि वह वैसा ही परमेश्वर नही है? परमेश्वर क्या भला करता है, जो मूसा को ले और उसके साथ आश्चर्य कर्म करें, जो उसने किए, ऐसे परमेश्वर के विषय में पढ़ कर हमारी क्या भलाई होगी यदि वह आज वैसा ना हो? परमेश्वर की क्या भलाई, जो इब्रानी बालकों को आग कि भट्टी से छुड़ा सके यदि वह आज वैसा ही ना हो? वह परमेश्वर कैसा भला है, जो सही और गलत के बीच न्यायी हो, बीते दिनों में और गलत को ताडना दे और सही को आशीष दे, यदि वह आज वैसा ही परमेश्वर ना हो? तो फिर हम किस लिए कलीसिया में जाये? हम क्यों संसार की चीजों से परहेज करें, यदि वह एक सा परमेश्वर नही है, वही न्याय और वही विचार जो सदा से रहा था? परमेश्वर की इसमें क्या भलाई, जो बुखार से तप्ते हुए महिला के हाथ को छुये और बुखार उतर जाये, यदि वह आज वैसा ही ना हो? एक परमेश्वर की सेवा करने से क्या भलाई होगी, जो अपने मित्र को कब्र में से बुला सके, उसके मरने के चार दिनों के बाद, यदि आज वह वैसा ही ना हो?

54 विश्वास के द्वारा हम विश्वास करते हैं कि किसी महिमा वाले दिन, वह हमें पृथ्वी पर से पुकारेगा, यधपि हम फिर से चम्मच भर कि राख हो। कैसे हम इसे सिद्ध करते हैं? हम इसे सिद्ध नही करते, हम इसका विश्वास करते हैं। हमें कुछ भी सिद्ध करने के लिए नही कहा गया, हमें इस पर विश्वास करने के लिए कहा गया है।

55 विश्वास के द्वारा मूसा ने *यह–वह* किया। और जैसे मूसा एक युवा के समान महल की खिड़की से उन गुलामों को देखता था, उसने उसे

झुंड को कीचड़, धूल से लथपथ देखा, गंदगी से भरे हुए गुलाम जिन्हें फिरौन ने देखा।

56 और जब फिरौन ने उन पर दृष्टि की, और मिस्त्रियो ने, वे सिवाये एक गुलामों के झुंड को छोड़ और कुछ नही थे। कुल मिला कर वे इतने ही भले थे, बस मनुष्य मात्र गारा बनाने वाले, कि नगर के लाभ के लिए मिट्टी की ईटे बनाये, जिसका निर्माण फिरौन कर रहा था। इसी प्रकार से मिस्त्री और फिरौन ने गुलामों को देखा।

57 परंतु मूसा, जब उसने उन की ओर देखा, यह मूसा का देखना अलग था। जब उसने खिड़की के पास से निकलते देखा, उनके चेहरों पर गहरे गद्दे उनके गालों पर से आंसू गिर रहे थे, और उनकी झुकी हुई देहे, वह उनको परमेश्वर के लोगों के समान देखता, वह उन्हें गुलामों के समान नही देखता था। उसने उन्हें परमेश्वर के चुने हुए लोगों के समान देखा।

58 और, ओह, जैसे मैं देश–देश में जाता हूं, राष्ट्र से राष्ट्र में, प्रचार के लिए! जब से मैंने इस छोटे आराधनालय के दरवाजों को छोड़ा, ये एक अंतर नामधारीयो संस्था, नियम नही केवल प्रेम, कोई पुस्तक नही केवल बाईबल और मतसार नही केवल मसीह, मैंने परमेश्वर के बालकों को देखने का यत्न किया और अस्वीकार के ऊपर, जैसे परमेश्वर के निर्वाचित और चुने हुए लोग। मैं नही उन से नही पूछता हूं कि वे ब्रन्हम आराधनालय के है, मैं नही पूछता कि वे मेथोडिस्ट के है या ये प्रेसबीटेरियन या वे पेंटीकोस्टल है, या नाजरीन या पिलीग्राम ऑफ होलीनेस के। मैं बस उन्हें परमेश्वर के लोगों के समान देखना चाहता हूं। और उनके कार्यों को देखते हुए, और उनके व्यवहार कि वे तो प्रभु परमेश्वर के दास है। मेरे ह्रदय की इच्छा उनके साथ संगति करने की, कोई मतलब नही उनके पास कौन सा निशान है। मैं तो उनकी संगति चाहता हूं। मैं उनसे प्रेम करता हूं क्योंकि मैं जानता हूं कि वे परमेश्वर के लोग हैं।

59 जब मैं एक महिला को सड़क पर आते हुए देखता हूं, लम्बे स्कर्ट के साथ और उसके बाल साफ सलीके के पीठ पर पडे हुए, और—और अच्छी दिखने वाली वेशभूषा पहने हुए; और मैं दूसरी युवा स्त्री को देखता हूं, हो सकता है उसी आयु की छोटे–छोटे कपड़े पहने हुए हो सकता है, वह लम्बे बाल वाली से दुगनी अच्छी लग रही हो, संसार के देखने के दृष्टीकोण से, परंतु मैं उसी लड़की की तरफ होंऊंगा, जिसने महिलाओं के

समान वेशभूषा पहन रखी है, यधपि वे उस पर हंस रहे होंगे, और उसे कट्टरवादी कहे, फिर भी, मैं उसकी ओर होऊंगा, हो सकता है, वह दूसरी लड़कियों के समान सुंदर ना दिखे, नाक नक्शा में पर वह कुछ देखती है, विश्वास से वह उसे देखती है, जो नही दिखता, जो उसके जीवन की अगुवाई करता है।

60 जब एक व्यक्ति को कार्य पर देखता हूं "डिकन," कहलाता है या "प्रचारक," या एक "हठधर्मी," क्योंकि उसने धूम्रपान को मना कर दिया, और मद्यपान की, और नाच घर जाने को, जैसा उन बाकियों ने और वह एक "कट्टर वादी" कहलाया मेरा ह्रदय उस पर जाता है। वह मेरा भाई है, और इस मिस्र की मिट्टी में मेरा ह्रदय उसके गले लगने को करता है, और कहू, "भाई, हम इस देश के परदेसी और यात्री है, और मैं आपके साथ संगति करना चाहता हूं।"

मूसा को अपना चुनाव करना था, विश्वास के द्वारा चुनना।

61 कितने युवा लोग इस सुअवसर से उछल पड़ते, कि फिरौन की पुत्री का पुत्र होने को! कितने ही युवा लोग उस सौभाग्य के लिए उछल पड़ते, जो मूसा के पास था, कि सारे आनन्द को भोगते और संसार की चमक–दमक, मिस्र का राजा बनने को, सारा संसार उनके कदमों पर! "क्या ही मूर्खता वाली बात है," युवा लोग उसके दिनों के, सोचना चाहिये था, "जब मूसा ने अपना स्थान लेने को चुना, परमेश्वर के पीडित और दुखी लोग।"

62 उसने यह क्यों किया? विश्वास के द्वारा, जब उसने अपनी आंख उठाई उसने इस संसार की चमक–दमक के पार देखा। उसने पाप के सुख के पार देखा। और बाईबल ने कहा कि वह जैसा उसे देख रहा था, उस पर टिका रहा जो अदृश्य था विश्वास के द्वारा, और उसने परमेश्वर की सेवा करने को चुना, मतलब नही कि क्या घटित हुआ।

63 यह नही बदला। हम में से बहुत से जा सकते थे जो कहलाता है अच्छा जीवन बना लेना। हम भोग सकते थे, हो सकता है वह उठ बैठ और अच्छे समाज में पैठ बना लेना अच्छे बैठने के स्थान। हम और अधिक लोकप्रिय हो सकते हैं, पीने और धुम्रपान और अच्छे कपड़े पहनने और संसार का सा व्यवहार करके। परंतु मामला क्या है? आपने अपनी आंखें उठाई और विश्वास के द्वारा आपने इसे देखा जो कि अदृश्य है, और आपने अपना पक्ष ठुकराए हुओ के साथ लिया और जो पवित्र शोर करने वाले कहलाते

हैं आज के दिन के। क्योंकि हम विश्वास से उसे देखते हैं, जो अदृश्य है, दुखी, सताये और पीड़ितों को चुन रहे है।

64 मैं लोगों से नही कहूंगा कि उन्हें पीड़ितों को चुनना चाहिये, मैं नही कहता कि आप को पीढाओ को चुनना है। करने के लिए यह मनुष्य वाली बात नही होगी। परंतु यदि पीढ़ा कर्तव्य के मार्ग पर है तो फिर हम इसे ले जैसे यह आती है। मैं नही चाहता कि आप किसी के लिए कुछ करें जिससे आपका उपवास हो। मैं नही जाऊंगा कि आप भिन्न बातें कहे, कि "मैं एक... मैं एक ऐसी कलीसिया से हूं, जो इन *अमूक–अमूक* बातों का विश्वास नही करती इस संसार में की," और इस प्रकार की चीजें, कि लोग आपकी हंसी उडाये। ये आप अपने ऊपर ले रहे है। मैं आपके लिये नही कहूंगा कि यहां से बाहर जाये और बढ़ते हुये और कुछ ऐसा करे जो अतिवादी था। मैं नही चाहूंगा कि आप यह करें, ताकि कोई कह सके कि आप धर्मान्ध है। आप इसे अपने पर ले ले। परंतु यदि यह परमेश्वर की ओर बढ़ते हुए आपके भाई में आता है संसार जो चाहे कहे, कहने दे। आप जीते रहे।

आप चुनाव करें। हर पुरुष और स्त्री को यहां करना है।

65 क्या हो यदि फिरौन वह देख पाता जो मूसा ने देखा? उसने लोगों के दुखों को देखा। वह जानता था कि क्या दाम चुकाया गया था। परंतु विश्वास के द्वारा उसने यह चुना बजाये कि पाप में आनंद करने को।

66 वहां एक साधारण महिला बैठी हुई है, एक आकर्षक युवा जैसी स्त्री। संसार आपसे यह कहना चाहेगा, "*ऐसा और ऐसा*। करो आप सुंदर हो। आपका शरीर सुंदर आकृति का है। आपको यह दिखाना चाहिये।"

67 परंतु मेरी बहन आप आंखे उठाये और इसके आगे देखें, उसको जिसने ये कहा "स्त्री के लिए यह घृणित है कि वह उन वस्त्रो को पहने जो पुरुष का है।"

68 यदि आप लोगों के पुरुष आपके समुदाय में, यदि वे महिलाएं जिनके साथ आप जुडी है, बोले, "अपने लंबे बालों को काट दो। यह ठंडक देगा। यह *ये, वह,* होगा या *कुछ*।" या, "ये तुम्हारे लिए अच्छा रहेगा।" आप उस बात को ना सुने!

69 आप अपनी आंखें उठाये और विश्वास से उसे देखें, जिसने कहा, "स्त्री के बाल उसकी शोभा है, और वह उन्हें ना काटे।"

70 यदि वे कहते हैं, "यह लोकप्रिय होंगे, आप अपने मार्ग स्थल पर अधिक अच्छी रहेगी, या अपने बोस के साथ, यदि सामुदायिक पेय लेंगी। यदि आप धूम्रपान करेगी, जैसे बाकी स्त्रियां करती है, आप अपने पड़ोस में अच्छी सामाजिक स्थिति में होगी।"

71 विश्वास के द्वारा अपनी आंखें उठाये और उसे देखें, जिसने कहा, "तू इस शरीर को दूषित करेगा, और मैं इसे नष्ट कर दूंगा।" विश्वास के द्वारा हम इन बातों का विश्वास करते हैं। जो आप देखते हैं, यह कुछ नही है। ये कुछ जो आप विश्वास करते हैं। विश्वास के द्वारा, मूसा ने किया।

72 और इस विश्वास में चलें, एक समय आयेगा कि वहां चुनाव करना होगा।

73 लूत ने दुख भरी गलती की जो हम करते हैं। बहुत सी बार हम अपनी भलाई के लिए चुनाव करते हैं। हम उन चीजों को चुनते हैं जो अच्छी रहेगी।

74 कभी यदि कलीसिया में कोई छोटा बेटा आ जाये और कोई कहेगा, "भई, डीकन या पास्टर इस ओर है।" उसे ना देखें। उसे देखें जो धार्मिक है। उस चीज को बाहर कर दे, और उन दोनों को एक साथ लाए। यही धार्मिकता है।

75 वहां एक चुनना है। और हम अपने लिए चुनते हैं। हम कुछ ऐसा चुनते हैं, जो हमारे अपने लिए अच्छा है।

76 परंतु मूसा ने पीढाओ और अपमान को चुना ताकि वह परमेश्वर के लोगों के साथ चल सके। अब इस पर सोचें, इसे सुनिए। "परमेश्वर के लोगों की पीढाओं को चुना, और इसे महान खजाना गिना, क्योंकि उसने सहा उसे देख रहा है जो मन अदृश्य है।"

अब, लूत को, एक बार चुनना था।

77 और इस प्रात: यह हो सकता है, कि पुरुष और स्त्रियां यहां बैठे हैं, यह आपका अंतिम चुनाव है। आप आज जो है, क्योंकि वर्षों पहले आपने वह चुना जो आप हैं और अब आप जो चुनते हैं, वह यह तय करेगा कि पांच वर्ष बाद आप क्या होंगे। आज से पांच वर्ष बाद आप एक मिशनरी हो सकते है। आज से पांच वर्ष बाद आप एक लोकप्रिय मसीह हो सकते हैं।

78 या, आज से पांच वर्ष बाद आप नरक में हो सकते हैं, क्योंकि आपने गलत निर्णय लिया। आज से पांच वर्ष बाद आप शराब खाने में पीकदान

साफ कर रहे हो। आज से पांच वर्ष बाद हो सकता है आप सड़क पर वेश्या हो।

79 या, आप एक पुरुष या महिला हो सकते हैं जो—जो किसी समाज के लिए लाभकारी हो, क्योंकि आपने मसीह को चुना। आज से पांच वर्ष में आप महिमा में हो सकते हैं, रेपचर में चले जाये, क्योंकि आपने आज अपना चुनाव किया है!

80 परन्तु आप को चुनना है। उसे ना देखें जो आपको दिखता है। वह चुनिए जो आप विश्वास से देखते हैं। केवल वही चीज़ होगी जो महत्वपूर्ण होगी वही जो आप विश्वास के द्वारा चुनते हैं।

81 लूत, जैसे उसे अपना चुनाव करना था। अब्राहम ने लूत को उसका चुनाव दे दिया।

82 और परमेश्वर ने आपको अपका चुनाव दे दिया। "आज आप चुन लो, कि आप किसकी सेवा करोगे।" अदन की वाटिका में वहां एक पेड़ था, ज्ञान का—का, और जीवन का पेड़। मनुष्य को अधिकार दिया गया था कि जिसे चाहे उसमें से एक को चुन ले। और आज ऐसा ही है। आपको आपका अधिकार दिया गया है, स्वतंत्र आचरण प्रतिनिधि कि चुने जो भी आप चुनना चाहते हैं।

83 मेरी आपको सलाह है, आप उन आधुनिक चीजों को ना देखें जो आपके आस पास है और लोकप्रियता और आकर्षण जो आप हो सकते हैं। बल्कि विश्वास के द्वारा चुने, उसे जिसने मैं प्रतिज्ञा दी है कि किसी दिन वह आयेगा और सारी गलत बातों को सही कर देगा, और आपको अनंत जीवन देगा, और आपको जिलाएगा। कोई मतलब नही यदि आप प्रभु के थोड़े से ठुकराए हुओ का साथ लेंगे, वह चुनाव करते हैं। यदि सामने कोई परेशानी है, यदि देश में कोई परेशानी है, यदि कलीसिया में कोई परेशानी है यदि घर में परेशानी है, कोई मतलब नही कहां है, अपना चुनाव करें, "विश्वास के द्वारा, मैं परमेश्वर की सेवा करूंगा। उसकी उपस्थिति में, मैं ह्रदय को नम्र करूंगा। मैं अपना मार्ग परमेश्वर के बालकों के साथ लूंगा। मैंने उन्हें ठुकराया हुआ और तिरस्कृत देखता हूं, बाहर निकाले गए, और उपहास उड़ाया गया, परंतु मैं फिर भी अपने कर्तव्य के स्थान को लूंगा, मैं इसी के साथ बना रहूंगा, और जब वे रोते हैं, मैं उनके साथ रोऊंगा।

और जब वहां दुखी हो, मैं उनके साथ दुखी होऊंगा। जैसे वे रहेंगे, मैं उनके साथ रहूंगा।"

84 जैसे निओमी ने कहा... या, रुत ने निओमी से कहा, "तेरे मार्ग, मेरे मार्ग होंगे, मेरे मार्ग, तेरे मार्ग होंगे। जहां तू रहती है, मैं रहूंगी। जहां तू जाती है, मैं जाऊंगी। जिस परमेश्वर की तू सेवा करती है, मेरा परमेश्वर होगा।" मैं रहूंगी, उस चुनाव को लें, यधपि यह आपके विवेक की खाल को उतार देगा, यह सोचते हुए कि आप कुछ है। अपने आप को नम्र कर दें, और अपना मार्ग प्रभु के थोड़े से ठुकराए हुओं के संग ले, और सेवा के कार्यस्थल में ईमानदारी से टिके रहे, और कर्तव्य के स्थान पर।

85 लूत ने चारों ओर देखा। उसने कहा, "मैंने चुनाव कर लिया।" और उसने सदोम की और देखा। उसने वहां घास के अच्छे मैदान देखें, उस से अच्छे जो अब्राहम ने देखें, और जहां अब्राहम था। उसने अपने पशुओं के लिए अच्छी चारागहा का सुअवसर देखा, कि मोटे और अच्छे पशु हो।

86 मैं आशा करता हूं कि मैं किसी से भावनाओं से आहत थी कर रहा हूं। परंतु यह बहुत ही प्रचारको का मत होता है की के साथ समझौता करे, यह सोचते हुए कि वे इससे अधिक पैसा ही प्राप्त कर सकते हैं। [भाई ब्रन्हम तीन बार ताली बजाते हैं—सम्पा।] खाने का भुगतान! मैं बल्कि बंजर भूमि पर रहना पसंद करूंगा और सोते की नाली से खाऊ, और पीऊ, और फुल्ले खाऊ, बजाये के अपने विश्वास पर समझौता करूं जो परमेश्वर के जीवते वचन में है। मैं अपना मार्ग लूंगा।

87 उन में से कुछ ने कहा, "बिली, तुम्हारी सभाओ के साथ क्या मामला है, जैसा कि वहां बहुत सारे पेंटिकोस्टल लोग होते हैं।" एक बहुत बड़े नामधारी के सेवक ने ये कहा।

मैंने कहा "क्या तुम्हारा नामधारी मेरी सभाओं का खर्च उठायेगा? "

88 अधिक समय नही हुआ, *लुक* पत्रिका में, मैं विश्वास करता हूं, उसमें एक लेख या और लेखक ने कहा, पेंटीकोस्टल लोगों के विषय में बातें की। उसने कहा, "संसार में पेंटीकोस्टल कलीसिया आज सबसे तेजी से बढ़ रही है।" क्यों? क्योंकि पुरुषों और स्त्रियों ने अपनी आंखें उठाई और दूर का देखा।

89 और लेखक ने पेंटीकोस्टल की प्रशंसा की। ओह, निसंदेह, उसने कहा, "उन में से कुछ लोग थे जो अतिवादी हो गए, और आदि–आदि।

परंतु मेथोडिस्ट एक मतसार की आराधना करते हैं, वे मतसार की आराधना करते हैं। बैपटिस्ट भी वही करते हैं और प्रेसबीटेरियन, परंतु पेंटीकोस्टल बाईबल से आराधना करते हैं।"

90 विश्वास से हम प्रतिज्ञा को देखते हैं। मैं अपना भाग उनके संग लूंगा, कोई मतलब नही वे कितने भी ठुकराए हुए हैं, मैं अब भी उनमें से एक हूं। यद्यपि इसके लिए उनका उपहास होता है और उनके लिए परेशानियां होती है, जैसे इस्त्राइल को हुई, मैं कभी भी झूठे भविष्यवक्ता के साथ पहाड़ पर नही खड़ा होऊंगा, एक बालाम और श्राप देने का यत्न करूं जिनको परमेश्वर ने आशीषित किया है। क्योंकि, उस पड़ाव में मारी हुई चट्टान और लहूलुहान वाला बलिदान और अग्नि स्तंभ है कोई मतलब नही वे किस में है, यह उनकी अगुवाई जीत की ओर कर रहा है और उन्हें इस पर आना ही है, क्योंकि वे प्रतिज्ञा के लोग हैं जो विश्वास के द्वारा चल रहे है। यद्यपि वे एक नामधारी नही है, वे चारों ओर घुम्मकड़ होते थे, और ऐसे ही परमेश्वर के लोग हैं, परंतु मैं अपना भाग कलीसिया की साथ लेने उनके साथ उनके स्तर पर मिल जाऊंगा ना कि उनके नामधारी में, परंतु उसकी संगति में, परमेश्वर कि अनंत आत्मा के धर्म सिद्धांत में, जो कि विश्वास के द्वारा मैंने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया है। परमेश्वर मेरी सहायता करे कि मेरा सदा वही व्यवहार रहे।

91 ध्यान दे। जैसे वे आगे बढ़े, हम पाते हैं, लूत ने स्वस्थ पशुओं के लिये सुअवसर देखें। बहुत से मोटे बटुए के लिए सुअवसर देखते हैं। बहुत से अच्छी सामाजिक स्थिति के सुअवसर देखते हैं। उसने कुछ और अधिक डालरो की सुविधा देखी। उसने नगर का मेयर बनने की संभावना देखी। एक परदेसी, और वह अच्छा योग्य व्यक्ति था, "हो सकता है, मैं इस नगर का मुख्य व्यक्ति हो जाऊंगा।" उसने संभावना देखी, क्योंकि वे उसके सामने झुक रहे थे। परंतु उसने वह आग जो देश को नष्ट करने पर थी, नही देखी। उसने अपने आप को उस देश से जो पाप से भरा हुआ था नही मिलाया, और परमेश्वर उसे नष्ट करने पर था।

92 और, आज लोग अपने आपको मिलाने का यत्न करते हैं, यह कहने के द्वारा, "क्या आप... ? "

मैं कहूंगा, "क्या आप मसीही हैं? "

93 वे कहते हैं, "मैं एक अमेरिकन हूं।" यह यह कहने से अधिक नही है कि कौवे से कहने का यत्न करें कि वह एक मेंढक था। इसका इससे कोई लेना–देना नहीं है। [भाई ब्रन्हम एक बार ताली बजाते है—सम्पा।]

94 वह नष्ट होने जा रही है, क्योंकि परमेश्वर न्यायी है और यदि अमेरिका अपने पापो के साथ चलता रहे, तो फिर न्याय और शासक पवित्र परमेश्वर बाध्य होगा कि सदोम और अमोरा को जीवित करके और उन्हें जिला कर क्षमा मांगे, क्योंकि उनके पाप के कारण; यदि वह हमें यह करते रहने देता है।

95 यदि वह आपको आपकी अन्याय के कामों पर आपको स्वर्ग जाने देता है, तो हनन्याह और सफीरा को जीवित करता एक और अवसर देना चाहिये। वह निश्चय ही करेगा। परन्तु वह न्यायी है। हनन्याह ने अपना पैसा देखा। पतरस ने मसीह को देखा।

96 ओह! लूत ने उस स्थान में अपने बालको का विनाश नही देखा।

97 आप में से आज बहुत से, उन पुराने मत सारों को पकड़े हुए हैं और चीजे, आप बाल अपराध को नही देखते और अपने बालको का विनाश। आप अपनी पुत्री को वेश्यालय में नही देखते; आप अपने पुत्र को एक पियक्कड़ नही देखते, या कहीं ताश खेलते हुए।

98 "क्योंकि उसका पालन अच्छी तरह से किया गया है।" और पाप ने नही छुआ। उसने अपनी पत्नी को नही देखा, सारे उच्च वर्गों की अध्यक्षा, जो नमक के खंभे में बदल गई, जब वह देख रहा था। उसने उसे बच कर निकलते हुए नही देखा, अपने दाँतो के किनारे से कि कही एक छोटा सा नगर है, उसके जीवन के लिए, उसने यह नही देखा, क्योंकि उसने केवल वही देखा जो उसकी आंखों के सामने था।

99 परंतु अब्राहम, उसने अच्छे सिचाई वाले देश पर ध्यान नही दिया, क्योंकि उसने अपनी आंखें उठाई और आने वाले कल की ओर देखा, क्योंकि वह सारी चीजों का वारिस होगा। एक वास्तविक मसीही आज अपनी आंखें उठाकर मसीह की प्रतिज्ञा को देखता है: धन्य है जो नम्र है क्योंकि वे सारी चीजों के वारिस होंगे और वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे। एक वास्तविक मसीही, विश्वास के द्वारा आंखे उठा कर देखता है, आप जो चाहे उसे कहे, वह अपनी आंखें उठाता है और जब उसने ये किया, परमेश्वर

ने कहा, "अब्राहम इस भूमी पर चल फिर, यह सब तेरा है।" अब्राहम ने विश्वास के द्वारा यह किया; और यही विश्वास मूसा के पास था।

100 एक टिप्पणी कर्ता के द्वारा यह लिखा गया, जिसने ये कहा, मैंने सोचा यह सबसे सुंदर वचन। ये कि अब्राहम... "मूसा ने संसार का सबसे अच्छा लिया और उसे एक पलड़े में रखा; धर्म का सबसे खराब, और उसे दूसरे पलड़े में रखा; और धर्म का सबसे खराब संसार के सबसे अच्छे से भारी निकला।"

101 और, आज ऐसा ही है कि यदि हम किसी भी चीज को चाहे "धर्मान्ध," कहे या, "दिव्य चंगाकर्ता," या, "पवित्र शोर करने वाला," या जो भी वे कहना चाहते हैं। हम जो बेकार है, भारी पड़ेंगे जो संसार का सबसे अच्छा वाहन कर सकते हैं। वे उन्हें "पुराने ढंग का," कहना चाहते हैं, "पुराने व्याकुल, हठधर्मी।" यह सबसे अच्छा जो शैतान आपको देना चाहता है, भारी पड़ेगा, निश्चय ही यह होगा।

102 मूसा ने मसीह की निंदा का सामना किया। उसने पहले मसीह को देखा। बाद में उसने कुछ शक्तिशाली प्रेरणा वाली बातें उसके विषय में कहीं। "देखिए, प्रभु तुम्हारा परमेश्वर मेरे सामान एक भविष्यवक्ता उठायेगा।" उसे मालूम था। उसने उसे पहले देखा, और उसने उसकी निन्दा को सारा चमक–दमक से जो संसार से अधिक मूल्यवान जाना।

103 मसीही मित्रों, क्या आज आप ये नही कर सकते? और संसार की सारी चमक और लोकप्रियता, विश्वास के द्वारा, हम उसे देखते हैं जिसने प्रतिज्ञा दी है। और आज कलीसिया का सबसे खराब, इसकी सारी स्थितियों में, फिर भी हर चीज जो शैतान आपके सामने प्रस्तुत सकता है भारी रहेगा। यदि हम तोड़े, यदि हम टुकड़े किये गए है, यदि हम भ्रमित और टूटे हुए हैं इन नामधारियों में, और धर्मान्ध, यह जो शैतान आपके सामने प्रस्तुत कर सकता है, भारी रहेगा। निश्चय ही।

104 उसने मसीह के लिए निंदित होने को मिस्र के सारे भंडार से अधिक बड़ा धन जाना। बजाये की वह कुछ करें। उसने मिस्त्र को छोड़ दिया। ओह! मुझे यह वचन बहुत अच्छा लगता है, उसने मिस्त्र को छोड़ दिया। देखिए, वह उसी खिड़की से देख रहा था, परंतु वह फिरौन से भिन्न देखता था। क्या होता यदि फिरौन अपने अंत को देख पाता? क्या होता यदि फिरौन अपने राष्ट्र को डूबते हुए देख पाता? मूसा ने यह देखा। कैसे? विज्ञान के द्वारा?

विश्वास के द्वारा, मूसा ने यह देखा। हर चीज जो उसने की वह विश्वास के द्वारा था, क्योंकि परमेश्वर ने उसके पिता अब्राहम को प्रतिज्ञा दी थी, कि वह—वह इस राष्ट्र में आयेगा चार सौ वर्षों के बाद, और उन्हें बाहर निकाल कर लाएगा। और विश्वास के द्वारा मूसा ने परमेश्वर के वचन का विश्वास किया, जो परमेश्वर ने कहा, और जैसा कि विश्वास के द्वारा अपने को उनको निकाल कर लाने वाला अगुवा चुना। वह जानता था कि वह कहां था। उसने अपना स्थान कीचड़ के गड्ढे, एक गारा बनाने वालों में लिया और मसीह की निंदा को बडा धन समझा, बजाये कि मिस्त्र के सिंहासन पर बैठे। उसने लिया... उसने कभी नही कहा, "मुझे इसके लिए सहानुभूति है।" उसने उनका स्थान लिया और उनके संग चला गया! महिमा हो... उसने उनका स्थान लिया। हम उनके साथ चले गए।

105 कोई आश्चर्य नही, प्रेरणा से भरे लेखक ने कहा:

> मैं प्रभु के कुछ तो ठुकराये हुओं के साथ मार्ग लूंगा।
> मैंने यीशु के साथ आरम्भ कर लिया है, अब मैं इसमें
> हो कर जा रहा हूं।
> मैं कनान देश की राह पर हूं। (निश्चय ही।)

106 मूसा। एक के द्वारा यह कहा गया कि, बल्कि मूसा के पास था, जब वह फिरौन का बेटा हो सकता था और संसार का सारा वैभव वह तो बल्कि अब्राहम का पुत्र बनेगा, बजाये फिरौन का पुत्र हो। एक अब्राहम का पुत्र, तिरस्कृत बजाये फिरौन का पुत्र, एक राजा।

107 मैं तो बल्की प्रभु यीशु का पुत्र बनूंगा, और उसका एक दास और अपना स्थान संसार के अस्वीकार किए लोगों के साथ लूंगा, बजाये कि इस बड़े राष्ट्र अमेरिका का राष्ट्रपति बनू, या एक एलविस प्रेसले या एक पेट बून या आप जो बनाना चाहे, मैं अपना मार्ग लूंगा।

108 युवा महिलाओं को उनका मार्ग लेना चाहिये। बजाये कि एक मेरी पिकफोड़ हो, या कोई बड़ी फिल्मी सितारा, कोई सुंदर युवती अपना मार्ग प्रभु के थोड़े से ठुकराये हुओं के साथ।

109 मैं प्रचार मंच पर प्रचारक बनना चाहूंगा, मसीह के रहस्यमयी धन को प्रचार करते हुए बजाये एक हॉलीवुड का सितारा बनू या पृथ्वी का महानतम व्यक्ति। यदि मुझे थोड़ा खाना मिले, मांगू या जो भी हो, मुझे करना पड़े, मैं अपना मार्ग प्रभु के लोगो के साथ लूंगा, विश्वास के द्वारा, मैं यह करता हूं।

मेरे पास सुअवसरो के प्रस्ताव आए। परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, मैं अब भी विश्वास से देखता हूं।

विश्वास के द्वारा मैं ये दूर तक देखता हूं;
और हमारे पूर्वज इस पर निर्भर रहे,
हमारे लिए एक निवास स्थान बनाएं वहां पर।

110 इनकम कर वाले व्यक्ति ने उस दिन कहा, "क्यों नही आप अपना घर कलीसिया को नही दे देते? जिसने तुम्हें एक हजार डालर का घर दिया है उस छोटे बेकार दिखने वाले आराधनालय को? "

111 मैंने कहा, "यह आराधनालय नही था जिसे मैंने किया। ये लोग जो वहां पर है।" मेरे पास संसार का कोई भी माल नही है, पैसों की एक एक पाई जो मैंने कभी लिया वह इस कलीसिया को वापस कर दिया। क्यों? मेरा विश्वास परमेश्वर पर है, और संसार की चीजों के ऊपर नही। मेरा झुकाव ऊपर की ओर है। और मैं विश्वास करता हूं आप सब एक से हैं। यदि आप ठीक परमेश्वर के संग बने हैं। यह सत्य है, कि आप हैं। हम विश्वास से प्राप्त करते हैं। हम, विश्वास के द्वारा, परमेश्वर पर विश्वास करते हैं।

112 मूसा, उसे अपना चुनाव करना था। और चुनाव करने के बाद उसे करना था, उसे विश्वास के लिए लड़ना या बजाये कि वह राजा के क्रोध से डरे। अब, मानवता, उसको उचित था कि वह क्रोध से डरे। उसके लिए उचित था कि वह राजा के क्रोध से डरे परंतु वह नही डरा। क्योंकि उसके पास करने के लिए एक कार्य था और वह कर्तव्य कि राह पर था। और उसने चिंता नही की कि राजा ने इस विषय में क्या कहा। उसने अपना मार्ग ठीक वैसे ही लिया।

113 अब, फिरौन, निसंदेह जब उसने देखा कि वह हार गया, तो वह मूसा और बालकों को देना चाहता था... उसने कहा, "ठीक है, मैं तुम्हें बताऊंगा, कि मैं क्या करूंगा। तुम सारे बस इस देश में रुके रहो और जा कर परमेश्वर के लिए बलिदान चढ़ाओ।"

114 शैतान इसी प्रकार से काम करता है। "ओह, तुम धार्मिक हो सकते हो। क्यों तुम क्यों नही जाकर, और किसी कलीसिया के सदस्य बन जाओ? तुम्हें ये सारी चीजें नही करनी पड़ेगी।" एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से कहा...

115 पत्नी कहती है, "पति, मैं बच गई हूं। अब नाखून की सजावट नही या लिपस्टिक और आदि–आदि, अब और कुछ नही, दावत नही। अब और ये सामाजिक आदि नही, मैं इस से बाहर हूं, मैं अपना समय वचन पढ़ने में लगाऊंगी, घर के काम में।"

116 "अब, देखो प्रिय। तुम, तुम धार्मिक हो सकती हो, ठीक है। अब, देखिए, तुम—तुम *यहां* आ गई हो। तुमने गलत कलीसिया ले ली।"

117 नही, तुमने नही। तुम सही वाली में हो। यदि तुम्हारे पास, प्रचारक है वह यह तुम्हे प्रचार करेगा, तुम्हें इसके साथ बने रहना है। वापस वचन में इसे ढूंढो और देखो यदि यह ठीक है।

118 "ओह!" कहा, "तुम *यहां* जाओ, वे नही—उन्हें यह यहां नही करना है। समझे? वे यहां वह नही करते।" यही विधि है... "बस उतनी ही दूर जाओ।" परंतु वह यह नही चाहता कि तुम देश से बाहर जाओ। इसी प्रकार से शैतान करता है। वह नही चाहता कि आप संसार की चीजों से बाहर जाये, संसार को यहां कलीसिया में ले आओ।

119 उस दिन सड़क पर आते हुए, मैंने अपना रेडियो चलाया, और वहां एक गीत था और मैं उसे सुनता रहा, मुझे वह गीत लगभग पूरा ही करना था, इसके पहले मैं बता सकूं कि यह पूरी रीति से धार्मिक गीत या नही या शैतान परमेश्वर की बातों को संसार के स्तर पर लाने की कोशिश कर रहा था, आप यह नही कर सकते! परमेश्वर दया करें!

120 मैं चिंता नही करता कि एलविरा प्रेसली ने कितने संग्रह लिखे हैं, सारे धार्मिक अच्छे गाने। वह अब भी शैतान की पकड़ में है। उसने बहुत बच्चे नरक में भेजे हैं, और सारे संचालन करने में जो मैं जानता हूं, इस दिन में सारे संसार में। पेट बून और वे बाकी सब वह चर्च ऑफ क्राइस्ट से है; और एलविस प्रेसली, एक पेंटीकोस्टल; ये लोग इस रूप में यहूदा इस्क्रोति है। शैतान परमेश्वर की बड़ी चीजों को लाना चाहता है, ताकि *यहाँ* नीचे वे आपस में मिल जाये। लोग ऊपर को ना देखेंगे, *यह*। वे बस *यहाँ* देखते हैं, "भई यह सब एक सा है।" यह एक सा नही है। देश से बाहर निकल जाओ।

121 कहा, "तुम कुछ दिनों के लिए चले जाओ। तुम जाकर उस देश में रुको।" निश्चय ही वह जानता है वे वापस आयेंगे, तब उसने पाया यह काम नही करेगा, इसलिए उसने कुछ भिन्न सोचा। उसने कहा, "मैं तुम्हें

बताऊंगा तुम क्या करो। तुम जहां भी चाहो बाहर चले जाओ, परंतु अपनी सारी पत्नियों को यहीं छोड़ जाओ, अपने सारे बच्चे और तुम्हारे सारे पशु, *यही* पीछे। तुम इन्हें यहीं छोड़ जाओ, और तुम चले जाओ।" क्योंकि, वह जानता उसकी संपत्ति यहां पीछे है कि ये उन्हें वापस खींच लेंगे।

122 और यही शैतान जो आप से कहता है। जब तक आप अपनी संसार की चीजों के साथ लगे हुए हैं, आप अब भी धुम्रपान करना चाहते हैं, और पीना चाहते हैं, आप संसार के समान कपड़े पहनना चाहते हैं, यह उतना ही अच्छा है, जैसा शैतान चाहता है।

123 मैं पीछे पिछड़ जाने के लिए बहुत कुछ सुनता हूं। मैं विश्वास नही करता जैसा लोग सोचते हैं, इतना बिछड़ जाना नही है। उन्होंने बहुत सारी अपनी चीजें मिस्र में छोड़ी है, कि वे उन्हें वापस आकर्षित करें, बस यही है। बिछड़ना वह नही, जो वे कहते हैं ये है, अपना पीछे संसार का बहुत कुछ छोड़ दिया है, जो आपको आकर्षित करता है।

124 भाई मैं आपको बताता हूं, जब इस्त्राईल आधी रात को तैयार हो गया, उनके पास हर वह चीज जो संसार की थी, उनके पास थी बांध ली, और जाने को तैयार।

125 परमेश्वर ने हमारे पास इसी प्रकार बेदारी भेजी। हमने हर चीज बांध ली और जाने को तैयार। आधी रात की पुकार आ रही है, "उससे मिलने के लिए बाहर आ जाओ।" अच्छा है कि क्या आप हर चीज बांध ले। आप अच्छा हो कि इस संसार का कुछ ना ले, जो आपको वापस लुभाये कोई भी चीज जो आपको नीचे पकड़े रखें। बांध ले। हम तैयार हो जाये। हम जा रहे हैं।

126 और आप जानते हैं क्या? मैं बताता हूं, वे परमेश्वर के लिए इतने सच्चे थे जब तक कि फिरौन आधी रात को ना चिल्ला पड़ा, उसने कहा, "निकल जाओ! निकल जाओ, निकलते रहो। जो भी तुम्हारे पास है, ले लो, और जाओ!"

127 मैं बहुत ही आनंदित हूं कि एक मनुष्य परमेश्वर के इतने समीप हो सकता है, यहां तक कि शैतान नही जानता कि उसके साथ क्या करें। यह ठीक बात है। निकल जाओ! निकलते चले जाओ! परमेश्वर की आज्ञा पालन करो!

128 विश्वास के द्वारा, उसने प्रतिज्ञा को देखा। गारा बनाने वाले या गारा नही बनाने वाले, उसने अपना मार्ग परमेश्वर के थोड़े से ठुकराए हुओ के साथ लिया, फिरौन ने कहा, जो तुम्हारे पास है, सब ले जाओ और यहां से निकल जाओ! मैं नही जानता कि तुम्हारे साथ क्या करूं, विश्वास के द्वारा वह परमेश्वर के लिए इतना सच्चा था।

129 विश्वास आश्चर्य कर्मो के कार्य करेगा, यदि आप परमेश्वर के साथ सच्चे रहेंगे विश्वास के द्वारा हम उसे देखते हैं।

हमारा समय हो गया; समय बीत गया।

130 परंतु, विश्वास के द्वारा, इस प्रात: अपनी आंखें उठाये। आपके आसपास क्या है उसे ना देखें, यह आधुनिक संसार परन्तु देखें उसे देखे, जिसने प्रतिज्ञा दी है। बाईबल ने कहा, "हम अब सारी चीजों को सिद्धता में नही देखते, परंतु हम यीशु देखते है।" इस प्रात: आप उसे देखें, आपके मार्ग बदल जायेंगे।

131 जबकी हम अपने सिरो को क्षण के लिए झुकाते हैं, प्रार्थना करने के लिए। होने पाये परमेश्वर इस संदेश पर अपनी आशीषे दे।

132 अब अपने ह्रदयो में विचार करें, क्या आप संसार की चीजों को देख रहे थे? क्या आप विश्वास के द्वारा, यीशु को देखते हैं? क्या आप अपनी लोकप्रियता को देख रहे हैं, आपकी कलीसिया? संसार में आपका क्या सामाजिक स्तर है? या, आप यीशु को देखते हैं, जिसने दुख में अपने आप को महामहिमन के सीधे हाथ में रखा, ऊंचे पर जिसने शहीद के समान दुख उठाया, धर्मी ने अधर्मियों के लिए? क्या आप अपनी आंखें उठाकर सामने जीवन के वृक्ष को नही देख सकते? और इस ज्ञान विज्ञान के वृक्ष को छोड़ दे, और उसकी सेवा करें।

133 क्या आप चाहेंगे कि आपको प्रार्थना में याद रखा जाये, इसके पहले मैं प्रार्थना करूं? किसी भी निवेदन के लिए जिसकी आपकी आवश्यकता हो सकती है, अपने हाथ को उठाये। परमेश्वर आपकी आशीष दे। वह आपके सारे हाथों को देखता है।

134 यदि आप पापी है, तो अपनी आंखों को उठाये और अब देखें। यदि आप उदासीन रहे है, यदि आपके साथ थोड़ी सी तू–तू, मैं–मैं हुयी है और छोटी–छोटी बातें, इससे क्या अंतर पड़ता है? आप इन्ही किन्ही दिनों में मरने वाले हैं। किस दिन? हो सकता है, आज! आप नही जानते, अब से

एक घंटे बाद आप नरक में हो सकते हैं या आप स्वर्ग में हो सकते हैं, परंतु यह आपको एक चुनना होगा। यदि आपके जीवन में कुछ है, जो ठीक नही है, अब आप उसे विश्वास के द्वारा चुने ले।

135 आप कहते हैं, "भई, यदि मैं उसके साथ भी इसे ले सकूं, यदि मैं उसके साथ इसे ले सकूं!" कोई मतलब नही उन्होंने क्या किया, जीवन को चुने। जीवन को चुने।

136 क्योंकि, यीशु ने कहा, "यदि आप अपने ह्रदय से हर व्यक्ति को क्षमा ना कर दे, उनके अपराध, तो ना ही तुम्हारा स्वर्गीय पिता तुम्हे क्षमा करेगा।" इसलिये इतने समीप आ जाये। यदि आप के ह्रदय में किसी के विरोध में कुछ हो, पापी या संत, तो आप नरक की आग के जोखिम में है।

137 अब अपनी आंखें उठाये। आप क्या देखते हैं, आपका शत्रु? या आप अपने बचाने वाले को देखते हैं? आज की सुबह आप किसे देख रहे हैं?

138 यदि आप बीमार है और आपका डॉक्टर कहता है आप अच्छे नही हो सकते अपनी आंख क्रूस की ओर उठाये जहां वह हमारे पापों के कारण घायल हुआ उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए। डॉक्टर क्या कहता है, उसे मत देखो; वह विज्ञान में काम कर रहा है। विश्वास आत्मा और परमेश्वर के क्षेत्र में काम करता है। इन बातों पर हम सोचे अब जबकि अपने हाथों को उठा लिया है। परमेश्वर ने उन्हें देखा।

आइए प्रार्थना करें

139 ओह अनंत परमेश्वर, इस आराधना की शांति में अब, इस संदेश के आ जाने के बाद, तेरे वचन के ये बीज प्रभु पत्थरीली भूमि पर ना गिरे, प्रभु संदेश को ऐसा ना होने दें, कि कांटो के बाड़े में गिरे, कि इस जीवन की चिंताये (जैसे लूत) अंत में यह आपकी सांस रोक देगा, निकाले हुए हो जाओगे। परंतु, धन्य परमेश्वर होने पाये यह अच्छी भूमि पर गिरे, प्रायश्चित भरे ह्रदयो पर। और मेरे पर भी, प्रभु, ताकि हम सब परमेश्वर के देखने के शीशे से देख सके, और प्रभु यीशु की अस्वीकार कलीसिया को देखें, अस्वीकृत लोग, अस्वीकृत मार्ग से, और हम शानदार मार्ग से चल पाये।

140 जैसे मूसा, वह नही जान पाया कि वह कहां जा रहा है। और लोगों को नही मालूम हुआ कि वे कहां जा रहे थे। उन्हें नही मालूम या वे किस मार्ग पर जाये। उन्होंने बस आरम्भ कर दिया।

141 और, ओह प्रभु, परमेश्वर जैसे कि यह सुंदर भजन बजाया जा रहा है विश्वास के द्वारा उस दूर के देश को देख सके। अब इसे होने दे कि यहां पुरुष और स्त्रियां नही सोचते कि संसार क्या कहने जा रहा है, या वे कैसे जा रहे हैं, होने पाये वे अपनी आत्मा में उठे और जाये।

142 मूसा ने ज्योति का अनुकरण किया, और इसने प्रतिज्ञा के देश की ओर अगवाई की, ना जानते हुए कि कहां जा रहा है, परंतु वह बस ज्योति में चला, उस देश को जो उस दिन से भी चमकदार था।

143 प्रभु, आज इसे प्रदान करें कि बहुत से यहां ज्योति में चलेंगे इस वचन की और पवित्र आत्मा की संगति में और कलीसिया के साथ; पहलौठे की कलीसिया, नये जन्मे बालक जिसमें मसीह को ग्रहण किया और पवित्र आत्मा से भर गए, आत्मा की अगुवाई में। हम संगति में मिलकर, एक साथ चलें, परमेश्वर की चीजों के आस–पास, बपतिस्मे में, उसकी सेवा में, उसकी मृत्यु, गाडे जाने और पुनरुत्थान, हम उसकी आज्ञा में उसकी सेवा करें, "यरूशलेम में तब तक रुके रहना, जब तक तुम्हें ऊपर से सामर्थ ना मिले।" होने पाये दिव्य चंगाई में हम उसकी सेवा करें, बीमारों के लिए प्रार्थना करें। प्रभु भोज से हम उसकी सेवा करें, रोटी तोड़ने में ह्रदय की सच्चाई से, परमेश्वर के वचन के साथ संगति करें। होने पाये हम उसके दिव्य अनुच्छेद में उसकी सेवा करें जब तक कि देश दृष्टि में ना आए, प्रभु इसे ग्रहण करें, हमारी प्रार्थना को सुने, जैसा कि हम सब तुझे समर्पित करते हैं, अब प्रभु यीशु के नाम में।

144 अब अपने झुके हुए सिरो के साथ शांत, धीरे–धीरे, इस गाने को गाये, अब यह आराधना है। सन्देश पूरा हो गया। कोई न जाये। शांत रहे, आइये आराधना करे।

145 सन्देश सुधरने वाला है। इस पर सोचे कि आपने क्या किया है, आपको क्या करना चाहिये था, आप क्या बने है जो आप आज है। आपको कौन दोषी ठहराता है आज, क्योंकी आपने बीते कल में जो किया, कल ये क्या होगा? इसे आज ठीक कर ले और आने वाले कल में आप स्वतंत्र होंगे। समझे? आपको चुनाव करना ही है, आप इसे कैसे कर सकते हैं? "विश्वास के द्वारा, अब मैं हर चीज को छोड़ देता हूं। मैं अब छोड़ देता हूं, और किसी दिन मैं वहां जा रहा हूं।"

उस मिठास में बढ़ते हुए,
हम उस सुंदर दिन में मिलेंगे...

अब बस अपनी आत्मा में उसकी आराधना करें।

उस मिठास में, थोड़ी देर में,
हम उस तिरिस्कृत कलीसिया से मिलेंगे। (कठिनाई में गुजरती हुई परंतु हम किसी दिन मिलेंगे।)

हमारे उदारता से भरे स्वर्गीय पिता,
हम अपनी श्रद्धांजलि की महिमा चढ़ायेंगे,
उसके महिमामय प्रेम के उपहार के लिए,
और आशीषे जो हमें पवित्र...

प्रभु के ठुकराए हुए थोड़े से, विश्वास के द्वारा, मैंने चुना।

मिठास में (मिठास में) बढ़ते... (थोड़ी देर में)
हम उस सुंदर किनारे पर मिलेंगे; (थोड़ी देर में)
मिठास में (मिठास में) थोड़ी देर में,
हम उस सुंदर किनारे पर मिलेंगे।

वहां एक देश है जो...

बस उसकी आराधना करें। यह आराधना है।

... विश्वास, मैं देख सकता हूं,

विश्वास के द्वारा मैं अपना चुनाव करता हूं।

ओह, वह पिता प्रतीक्षा...

146 मैं वहां प्रभु का सब देखता हूं; भाई जोर्ज, भाई सिवार्ड, सारे संत।

... हमारा वहां रहने का स्थान है। (हां प्रभु!)
मिठास...

147 उसके पिता, हावर्ड, एडवर्ड, सारे पुराने संत मित्र लोग जिन्होंने अपना मार्ग ले लिया, वहां पीछे, बहुत पहले।

मिठास में (हां प्रभु!) थोड़ी देर में (थोड़ी देर में),
हम उस सुंदर किनारे पर मिलेंगे।

हम गायेंगे उस सुंदर... (ओह परमेश्वर!)
उस धन्य के सुरमय गीते (परमेश्वर की महिमा हो!)
... वहां और दु:ख ना होगा
आशीषों के लिए आहे इस आरामदायक स्थान में।
मिठास में, मिठास थोड़ी देर में... (थोड़ी देर में)
हम मिलेंगे बहुत सुंदर...

विश्वास से, मूसा HIN58-0720M

(By Faith, Moses)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रन्हम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में, रविवार सुबह, 20 जुलाई, 1958 में, ब्रन्हम टेबरनेकल, जैफरसनविले, इन्डियाना, यू. एस. ए. में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org